आउटकम/परफॉरमेन्स बजट 2024–25 :– वन विभाग

(1) अधिष्ठान एवं क्षमता विकासः–

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
अधिष्ठान एवं क्षमता विकास	प्रशासन, क्षमता विकास	6243001	–	विभाग में स्वीकृत पदों के सापेक्ष वेतन भत्तों आदि का प्रशासनिक व्यय– ल0स0पुस्तकों का क्रय –ल0स0, प्रशिक्षण केन्द्रों का रखरखाव, उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद के प्रशासनिक व्यय हेतु, उत्तराखण्ड पारिस्थितकीय पर्यटन सलाहकार परिषद का प्रशासनिक व्यय।	विभाग में स्वीकृत पदों के सापेक्ष वेतन भत्तों आदि का भुगतान तथा प्रशासनिक व्यय, प्रशिक्षण केन्द्रों का रखरखाव–03 स0, प्रशासनिक व्यय–ल0स0पुस्तकों का क्रय –ल0स0, उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद का प्रशासनिक व्यय, उत्तराखण्ड पारिस्थितकीय पर्यटन सलाहकार परिषद का प्रशासनिक व्यय।	विभाग में स्वीकृत पदों के सापेक्ष वेतन भत्तों आदि का भुगतान तथा प्रशासनिक व्यय, प्रशिक्षण केन्द्रों का रखरखाव, प्रशासनिक व्यय–ल0स0पुस्तकों का क्रय –ल0स0, उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद का प्रशासनिक व्यय, उत्तराखण्ड पारिस्थितकीय पर्यटन सलाहकार परिषद का प्रशासनिक व्यय। ।	1–विभिन्न कार्मिकों का क्षमता विकास ताकि वे अपने निर्धारित कार्यों को दक्षता से सम्पादित कर सकें। 2–गठित परिषदों की सलाह/परामर्श को विभाग के उद्देश्यों की प्राप्ति में सम्मिलित करना।	31–3–2025
	योग	6243001	–					

(2) वनीकरण एवं संरक्षण :–

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
वनीकरण एवं संरक्षण	वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण, अनुसंधान के माध्यम से	399000	584300	वृक्षारोपण–9718है0 वनीकरण अनुरक्षण–6253 है0, अग्रिम मृदा कार्य– 6459 है0, नर्सरी सुदढीकरण एवं	1–वनीकरण–3614.5 है0, 2–अग्रिम मृदाकार्य–3863.4है0 3–वनीकरण अनुरक्षण–9413 है0 4–हरेला कार्यक्रम में पौध	1–वित्तीय वर्ष 2023–24 तक किये गये लगभग 10300 है0 2–विगत 3 वर्षो में 350 है0	भविष्य में वनावरण में वृद्धि एवं वनों की गुणवत्ता में वृद्धि के साथ–साथ पर्यावरण में सुधार होगा जिससे	वृक्षारोपणों का पर्यावरण एवं फोरेस्ट कवर में दीर्घकालीन परिणाम

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
	वानिकी का विकास, प्रदेश की 12,089 वन पंचायतों का चरणबद्ध रुप से सुदृढ़ीकरण करना।			उच्चीकरण कर मॉडल नर्सरी के रूप में विकसित करना–100 सं0, भूमि संरक्षण कार्य–1743 स0, बुग्यालों का अनुरक्षण–408 सं0 पिरूल चैकडेम निर्माण–767,पिरूल/ड्राई चैकडेम–575 हर्बल मॉडल पौधशाला–2 हर्बल गार्डन माजरा नवगृह वाटिका में औषधीय पौधों का रोपण एवं लैण्ड स्केपिंग कार्य–5सं0 ए0एन0आर0–500 है0, चैक डेम निर्माण–95 सं0 नर्सरी सुदृढ़ीकरण एवं उच्चीकरण कर मॉडल नर्सरी के रूप में विकसित करना–68, चरी निर्माण–10 सं0, महिला पौधा0की स्थापना –471 प्रशिक्षण–72 सं0, पौध उगान–57820 पौध, पौध रोपण–813050 सं0, जलकुण्ड 250 घ0मी0–25 सं0 जलकुण्ड 100 घ0मी0–76सं0 जलकुण्ड 50 घ0मी0–175सं0 जलकुण्ड 20 घ0मी0–255 सं0 कन्टूर ट्रैंच–569 सं0 सं, भूमि एवं स्पर एवं अवरोधक निर्माण– 15, चालखाल निर्माण–25, भू–क्षरण की रोकथाम सम्बन्धी विभिन्न कार्य, पौध उगान–1826390 सं0, नर्सरी विकास एवं पौध उत्पादन/ क्रय–545 सं0, क्वालिटी सीड प्रोडक्शन–6, पौधालय के अनुरक्षण 258 सं0,	वितरण–4.91 लाख सं0 5–आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर 1742 गॉवों में 1.30 लाख पौध वितरित की गयी। 6–भू क्षरण रोकने हेतु 30 चैकडैम निर्माण कार्य। 7–अमृत सरोवरों का निर्माण–60 8–डी0टी0आर0 बनाकर जलधाराओं का पुनर्जीवन।	में औषधीय पौधों का वृक्षारोपण किया गया है, जिसके अनुरक्षण एवं औषधीय पौधों की नर्सरियों के अनुरक्षण हेतु। 3–3 वर्ष से अधिक पुराने वृक्षारोपण क्षेत्रों में सिल्वीकल्चरल ऑपरेशन्स का कार्य (लगभग 3000 है0 एवं नर्सरियों का अनुरक्षण/ विस्तारीकरण) कार्य हेतु। 4–जल संरक्षण संरचनाओं एव भू क्षरण को रोकने हेतु संरचनाओं का अनुरक्षण, औषधीय पौधों नर्सरियों का अनुरक्षण, रिसर्च प्लॉट्स का अनुरक्षण कार्य। 5–वृक्षारोपण क्षेत्रों में भूमि संरक्षण कार्य, ट्रैच एवं वर्षा जल को संचय करने हेतु 6–जल संरक्षण संरचनाओं एवं भू–क्षरण को रोकने हेतु चैकडैम/सुरक्षा दीवार निर्माण।	जल संरक्षण में वृद्धि होगी, ग्रामीणों के माध्यम से खाली पड़ी भूमि में रोपण करवाने से भविश्य में आय में वृद्धि होगी तथा ग्रामीणो में वृक्षारोपण हेतु जागरुकता बढेगी, पौध स्कूल के छात्रों को रोपण हेतु पौध उपलब्ध कराने से वृक्षों के प्रति जागरुकता उत्पन्न होगी, जलाशय, जल कुन्डों का निर्माण तथा जल स्रोतों का पुनरुद्वार करने से वन क्षेत्रों में नमी रहने से वन्य जन्तुओ के साथ साथ निकट के क्षेत्रों में ग्रामीणों को पानी उपलब्ध होगा, भू–क्षरण की रोकथाम हो सकेगी, अनुसंधान के परिणामों के आधार पर वनों एवं वन्यजीवों का विकास, वन पंचायतों में जारुकता वृद्धि जिससे वन पंचायतें वनों की सुरक्षा में रुचि उत्पन्न होगी।	परिलक्षित होत है अतः वर्तमान में किये गये वृक्षारोपणों का प्रभाव 10–15 वर्षो के बाद परिलक्षित होगा, वृक्षारोपणों के परिणाम दीर्घकालीन होते है।

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
				पाइनेटम अनुरक्षण–5 सं0, रेंजो हेतु बेचों का निर्माण–45 सं0,, जैवि खाद निर्माण–15.62 घ0मी0, पौधों का रखरखाव–219, सांख्यिकी प्लाटों का मापन–93, बोर्ड निर्माण–31				
केन्द पोषित योजनायें								
राष्ट्रीय वन रोपण कार्यक्रम (केन्द्र पोषित)		472000		1–वृक्षारोपण–3297 है0 2–अग्रिम मृदा कार्य–2350 है0 3–वृक्षारोपण अनुरक्षण प्रथम वर्ष–1706 है0 4– वृक्षारोपण अनुरक्षण द्वितीय वर्ष–3885 है0 5–वृक्षारोपण अनुरक्षण तृतीय वर्ष–1565 है0	1–वृक्षारोपण–2350 है0 2–अग्रिम मृदा कार्य–872 है0 3–वृक्षारोपण अनुरक्षण प्रथम वर्ष–3297 है0 4– वृक्षारोपण अनुरक्षण द्वितीय वर्ष–1706 है0 5–वृक्षारोपण अनुरक्षण तृतीय वर्ष–3885 है0	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित होना है।	वृक्षारोपण कर वनावरण में वृद्धि के साथ साथ वनो की गुणवत्ता बढेगी	वनावरण में वृद्धि होगी परिणाम भविश्य में प्राप्त होगे।
राष्ट्रीय कृषि वानिकी एवं बास मिशन (केन्द्र पोषित)		44000		1–बैम्बू नर्सरी वृक्षारोपण–975.5 है0 2–बांसउपचारएवंसंरक्षणकोबढ़ावादेना-2 3-Promotion and Development of Infrastructure for Bamboo Market-7 4-Maintenance of high density Bamboo Plantation on Govt./ Panchayat/ community land including waste lands-424 5-कौशलविकासएवंजागरूकता अभियान-151	1–बैम्बू नर्सरी वृक्षारोपण–429 है0 2–बांसउपचारएवंसंरक्षणकोबढ़ावादेना-2	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित होना है।		
राष्ट्रीय वन रोपण कार्यक्रम (एन0ए0पी0)		6						
	योग	**915006**	**584300**					

(3) वनों की सुरक्षा एवं प्रबन्धनः–

योजना	योजना का उद्देष्य	प्रस्तावित आउट ले (रैंहजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
वनों की सुरक्षा एवं प्रबन्धन	वनों की अग्नि से सुरक्षा, अतिक्रमण,अवैध शिकार, अवैध कटान तथा अवैध खनन में नियंन्त्रण	620000	70000	फायर लाईनों का रखरखाव–22626 कि0मी0, फायर वाचर–9411 सं0 कन्ट्रोल बर्निंग–107425 है0, परकोलेशन टेंक–225 सं0 मास्टर कन्ट्रोल रूम–5 चाल–खाल निर्माण–175, वाच टावर–7 सं0 चैकडैम–418, अवरोधक निर्माण–375 है, कू स्टेशन रखरखाव –76 स0 ट्रेंच खुदान–101284 र0मी0 कन्टूर ट्रेंच निर्माण–1260, 250000 ली0, 100000 ली0, 50000 ली0, 20000 ली0, 10000 ली0 क्षमता वाले बॉडी का निर्माण– क्रमशः 68, 176, 235, 1187 व 324 अन्य कार्य –ल0स0, पचास हजार प्रति दर से वन रक्षक एवं फॉरेस्ट चौकी का अनुरक्षण–149 सं0, चैक पोस्ट बैरियर सुदृढीकरण–96 सं0, चैक पोस्ट बैरियर निर्माण–11, ट्रेंच खाई खुदान–15 किमी0 बाउन्ड्री पीलर निर्माण –315 स0, बाउन्ड्री पिलर सुदृढ़ीकरण –575 स0, पेट्रोलिंग मार्गो का रखरखाव–348 किमी0 बंग्यालो में भू0सं0कार्य–36 स0 भू0संरक्षण क्षेत्र को संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु जियो जूट क्रय करना, पिरूल जीओ नेट चैकडेम बैम्बू क्रय करना, जीओ नेट फिक्स करने हेतु बैम्बू के खूटों	1–फायर वाचर–4850सं0 2–फायर लाईन रखरखाव–947 किमी0 3–कन्ट्रोल बर्निंग–30000 है0 4–ईको टूरिज्म केचालू वित्तीय वर्ष में 15 गन्तव्यों को विकसित किया जा रहा है। 5–बुग्यालों का संरक्षण–17 का जियोजूट की अभिनव विधि से किया जा रहा है। 6–चौकियों का अनुरक्षण/जीर्णोद्धार–209 सं0 7–लीसा उत्पादन 98722 कुन्तल।	1– 12 प्रभागों कार्ययोजना के निरूपण/पुनरीक्षण। 2–लीसा वर्ष 2024 में 1. 00 लाख कुन्टल लीसा उत्पादन। 3–वन निगम को दी जाने वाली लौटों के छपान। 1–वनाग्नि प्रबन्धन हेतु 5000 फायर वाचरों। 2–लगभग 40 हजार है0 कन्ट्रोल बर्निंग हेतु 3–7000 किमी0 फायर लाईन का रखरखाव 4–जियो जूट विधि से 15 बुग्यालों का संरक्षण। 5–ईको टूरिज्म केन्द्रों/गन्तब्यों का विकास। 6–लीसा बटियों, लीसा डिपों, लीसा प्लेटफार्म का रखरखाव। 7–लगभग 200 वन रक्षक चौकियों, बाउण्ड्री पिलरों, सोलर फैन्सिंग, वन्यजीवरोधी दीवार की मरम्मत एवं रखरखाव। 1–लगभग 20 मॉडर्न क्रू–स्टेशनों का सुदृढ़ीकरण। 2–जल संरक्षण कार्य 150 वाटर होल निर्माण, 500 जलकुण्ड/अन्य जल संरक्षण कार्य 3–लगभग 300 चैकपोस्ट/बैरियरों का सुदृढीकरण, 1500 बाउण्ड्री पिलर निर्माण 4–बुग्यालों ट्रैकरूट का	अग्नि दुर्घटनाओं से वन संम्पदा होने वाली क्षति को कम करना, वनों एवं वन्यजीवोंअतिक्रमण, अवैध कटान, अवैध शिकार आदि से सुरक्षा, सूचना प्रौघोगिकी तंत्र का सुदृढ़ीकरण कर सूचना तंत्र को सुदृढ करना, अग्नि दुर्घटनाओं के नियंत्रण में नवीनतम तकनीकी का उपयोग, वनों के प्रबन्धन की योजना से बेहतर प्रबन्धन, पर्यटकों की संख्या में वृद्धि कर उनमें वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता में वृद्धि, स्थानीय समुदायों की आजीविका में वृद्धि व राज्य सरकार के राजस्व प्राप्ति में वृद्धि।	31–3–2025

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01—04—2023 की स्थिति (भौतिक)	31—03—2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024—25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024—25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
				का क्रय करना, व्यू प्वाइन्ट —06 स0, अन्य कार्य —ल0स0, ईको सेन्टरों का विकास— 2 सं0, ईको पार्क की स्थापना—1 सं0, ट्रेकिंग रूट का निर्माण—4 सं0 ईको पार्को की स्थापना—1, वन विश्राम भवन की मरम्मत—4 देवलसारी में धनौल्टी की तर्ज पर ईको पार्क का निर्माण—1, मायावती (लोहाघाट फॉरेस्ट रेंज) फॉरेस्ट में टूरिज्म हट/रिसोर्ट का निर्माण—1 फॉटो वन परिसर में बौरवैल, झाझरा में नगर वन के अन्तर्गत विविध कार्य,		सुदृढ़ीकरण 5—वन विश्राम भवनों का सुदृढ़ीकरण एवं ईको टूरिज्म स्थलों का विकास		
केन्द्र पोषित योजना								
फोरेस्ट फायर प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमैंट स्कीम	वनों की अग्नि से सुरक्षा, अतिक्रमण,अवैध शिकार, अवैध कटान तथा अवैध खनन में नियंन्त्रण	101500		1—कन्ट्रोल बर्निंग—3845 2—फायर लाईन मैन्टैनेन्स—1368 3—वाटर स्टोरेज स्ट्रक्चर—45 4—इंगेजमैन्ट ऑफ फायर वाचर—1515 5—Procurement of Vehicles on Hire—34	1—कन्ट्रौल बर्निंग—3088 2—फायर लाईन मैन्टैनेन्स—966 3—वाटर स्टोरेज स्ट्रक्चर—55 4—इंगेजमैन्ट ऑफ फायर वाचर—897	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित होना है।		31—3—2025
	योग	**721500**	**70000**					

(4) वन्यजीव प्रबन्धन, राष्ट्रीय पार्कों एवं पक्षी विहारों का विकास तथा 'जू' प्रबन्धन

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01—04—2023 की स्थिति (भौतिक)	31—03—2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024—25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024—25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
वन्यजीव प्रबन्धन, राष्ट्रीय		85000	255000	लैन्टाना/कालाबास उन्मूलन—3731 है0, पूर्व के वर्षों में किये गये लैण्टाना उन्मूलन कार्य का अनुरक्षण—1452 है0, जलाशय के चारों ओर फ्लैट एंगिल आयरन तथा 10 गेज	1—वृक्षारोपण—45.5 है0 2—अग्रिम मृदा कार्य—158 है0 3—सीतावनी बीट दक्षिणी पाटकोट	1—देहरादून जू, नैनीताल जू एवं रेस्क्यू	वन्यजीवों के वास स्थल में सुधार होने पर वन्यजीवों की संख्या में	वास स्थलों में सुधार के परिणाम दीर्घ कालीनहोते

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (रूहजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
पार्कों एवं पक्षी विहारों का विकास तथा 'जू' प्रबन्धन				वेल्डेड वायर में सुरक्षा रेलिंग निर्माण कार्य–0.3 किमी0, भूमि एवं जल संरक्षण कार्य– 708 है0, जल कुण्ड निर्माण–75 सं0, प्राकृतिक वास स्थलों के निकट जलकुण्ड बनाना–45, जल संग्रहण/चहलनिर्माण–3, वाटर होल का नव निर्माण–6, चाल–खाल निर्माण–10, चेनलिक फेन्सिंग कार्य–355 मी0 चीतल पार्क मंगलौर का सुदृढ़ीकरण–1 सं0, रसियाबड पर्यटन केन्द्र का विकास–1 सं0, पर्यटन भ्रमण/बर्ड वाचिंग ट्रेल का रखरखाव–6, वन चेतना केन्द्रों का रखरखाव–3 सं0, पर्यटन केन्द्रों का रखरखाव, वाटिका/पार्क का सुदृढ़ीकरण–1, झील में बहने वाले नालों का रखरखाव–20 सं0, इन्टरप्रिटेसन सेन्टर का विकास–01 लैण्टाना उन्मूलन प्रथम व द्वितीय वर्ष–685, पेट्रोलिंग–215 किमी0, एंटीपोचिंग गश्त–12, मड फ्लेट–4 झील में बहने वाले नालों का रखरखाव–35	क0सं0 2ए में स्थित कालीगाड वेटलेण्ड के विकास कार्य हेतु। 4–पर्यटन केन्द्रों का विकास–1सं0 5–वन चेतना केन्द्र अपग्रेडेशन–1 सं0 6–देहरादून मालसी जू में स्लोथ बियर के नाईट शैल्टर का निर्माण–1 सं0	सेन्टर एवं अल्मोड़ा जू में रखे जानवरों के खाने व रखरखाव 2–वाईल्ड लाईफ लैण्डस्केप रेस्टोरेशन 3–जीवों के वास स्थलों के विकास एवं वन्यजीवों के प्राकृतिक वास एवं जू में प्रबन्धन हेतु विभिन्न कार्य यथा वाटर होल निर्माण, अन्य संरचनाओं का निर्माण एवं जू एवं रेस्क्यू सेन्टर का विस्तारीकरण।	वृद्धि। वर्ष 2008 की गणना में बाघों की संख्या 164 थी जो वर्ष 2022 में बढ़कर 560 हो गयी है। उत्तराखण्ड में हाथियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 2026 हाथी हैं। इससे परिलक्षित होता है कि वास स्थल सुधार से वन्य जन्तुओं की संख्या में वृद्धि हुई है।प्रदेश में लगभग 12500 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र में स्नो लैपर्ड का प्राकृतवास है, स्नो–लैपर्ड की प्रथम बार की गई गणना में इनकी अनुमानित संख्या–121 पायी गई है। हिम तेंदुओं के संरक्षण के दृष्टिगत उत्तरकाशी में स्नो लैपर्ड कन्जर्वेशन सेन्टर का निर्माण प्रस्तावित है।	हैं जिसका परिणाम आगामी वर्षोंमें परिलक्षित होगा।
केन्द्र पोषित योजना								
नन्दादेवी बायोस्फेयर रिजर्व की स्थापना		35179		1–वाटर होल नवनिर्माण सं0–8 2–ट्रेक रुट्स/नेचर ट्रेल्स का नवनिर्माण–35 किमी0 3–पैदल मार्गो का जीर्णोद्वार–24 किमी0 4–पहाड़ी क्षेत्रों में भूमि धसांव की रोकथाम–14 सं0 5–नये फायर लाईनों का नवनिर्माण–10 सं0 6–रिंगाल वनीकरण–50 है0 7–सोलर लाईट का वितरण–66	1–ट्रेक रुट्स/नेचर ट्रेल्स का नवनिर्माण–25 किमी0 2–पहाड़ी क्षेत्रों में भूमि धसांव की रोकथाम–20 सं0 5–नये फायर लाईनों का नवनिर्माण–15 सं0 6–रिंगाल वनीकरण–55 है0 7–सोलर लाईट का वितरण–60	भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार	नन्दादेवी बायोस्फियर रिजर्व का रखरखाव एवं विकास कार्य	31–3–2025
प्रोजेक्ट एलीफेन्ट एवं		100000		1–स्पेशल पैट्रोलिग–173 2–सोलर फैन्सिंग–14.7 किमी0 3–फस्ट एड किट उपलब्ध कराना–275	1–स्पेशल पैट्रोलिग–150 2–सोलर फैन्सिंग–9.5 किमी0 3–फस्ट एड किट उपलब्ध	राजाजी पार्क एवं अन्य क्षेत्रों में	वन्यजीवों के वास स्थल में सुधार होने पर वन्यजीवों की संख्या में वृद्धि। वर्ष	31–3–2025

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (रूहजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
एलीफेन्ट 50 %				4–डैवलमेन्ट ऑफ एटिपोचिंग–470 5–Procurement of field gear, night vision devices etc–3264 6–Maintenance/Creation/ Up gradation of road network–912 किमी0 6–रिपेयर स्टोन वाल–500 मी0 7–मैन्टैनेन्स वाच टावर–3 8–मैन्टैनेन्स ऑफ फायर लाईन्स–1302 9–फायर वाचर–54	करना–150 4–डैवलमेन्ट ऑफ एटिपोचिंग–375 5–Maintenance/Creation/ Up gradation of road network–512 किमी0 5–मैन्टैनेन्स वाच टावर–2 6–फायर वाचर–61	हाथी के विकास स्थलों में सुधार कार्य	2008 की गणना में बाघों की संख्या 164 थी जो वर्ष 2022 में बढ़कर 560 हो गयी है। उत्तराखण्ड में हाथियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है वर्तमान में प्रदेश में कुल 2026 हाथी हैं। इससे परिलक्षित होता है कि वास स्थल सुधार से वन्य जन्तुओं की संख्या में वृद्धि हुई है।	
प्रोजेक्ट टाईगर एवं एलीफेन्ट		339900				प्रदेश के 02 टाईगर रिजर्वों का रखरखाव		
इन्ट्रीग्रेटेड डेवलपमेन्ट ऑफ वाईल्ड लाईफ हेबीटेट		110000		1–मैन्टैनेन्स मोटर रोड़, पुल, पुलिया–125 किमी0 2– चारागाह घास का मैदार और आद्रभूमि विकास–150 है0 3–भूमि एवं जल संरक्षण कार्य–72 4–लैण्टाना उन्मूलन–155 है0 5–संवर्धनवृक्षारोपणनेस्वदेशीऔरचाराप्रजातियोंकेप्राकृतिकपुनर्जनन वृक्षारोपणमेंसहायताकी-135 है0	1–मैन्टैनेन्स मोटर रोड़, पुल, पुलिया–20 किमी0 2– चारागाह घास का मैदार और आद्रभूमि विकास–50 है0 3–गश्त–57.6 किमी0 4–भूमि एवं जल संरक्षण कार्य–12 5–लैण्टाना उन्मूलन–50 है0 5–संवर्धनवृक्षारोपणनेस्वदेशीऔरचाराप्रजातियोंकेप्राकृतिकपुनर्जननवृक्षारोपणमेंसहायताकी-45 है0	वाईल्ड लाईफ संरक्षित क्षेत्रो में वन्य जन्तु के वास स्थलों का विकास एवं रखरखाव।		31–3–2025
सिक्योर हिमालय		15000		भारत सरकार द्वारा आवंटित लक्ष्य के अनुसार।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित किया जाता है।	भारत सरकार द्वारा अनुमोदित ए0पी0ओ0 के अनुसार		31–3–2025
	योग	**685079**	**255000**					

(5)वन मार्ग, अश्व मार्ग, पुल एवं अन्य अवस्थापना विकास

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (रूहजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
वन मार्ग, अश्व मार्ग, पुल एवं अन्य अवस्थापना विकास	वन मोटर मार्गो, अश्वमार्गो का सुदृढ़ीकरण एवं कर्मचारियों हेतु आवासो की व्यवस्था	160000	50000	वन मार्गों का सुदृढ़ीकरण– 275 किमी, पैदल मार्गों का सुदृढ़ीकरण– 180 किमी0 मा0 टिहरी वन प्रभाग के भिलंगना रेंज, अमरसर/बासर/थाती कठूर बीट के अन्तर्गत ओडा से बूढ़ाकेदार की सम्पर्क मार्ग–13 किमी0, टिहरी वन प्रभाग के भिलंगना रेंज, घनसाली के अन्तर्गत घुत्तु से बूढ़ाकेदार (लोम से ओड़ा) ट्रैक रूट– 7 वन मोटर मार्ग कार्य–244 किमी0, वन मोटर मरम्मत–462 किमी0	लगभग 1127 किमी0 वन मोटर मार्ग का मरम्मत/अनुरक्षण कार्य हेतु।	लगभग 1551 किमी0 की मरम्मत/अनुरक्षण कार्य हेतु	वनों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा एवं प्रबन्धन के अन्तर्गत वन कर्मियों द्वारा पैट्रोलिंग, निरीक्षण/भ्रमण आदि में वन मार्गो एवं अश्वमार्गो का रखरखाव अति महत्वपूर्ण है, जो प्रबन्धन के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के वन बाहुल्य होने के दृष्टिगत इन मार्गों से वनों के नजदीक निवास करने वाले ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध होती है तथा वन निगम द्वारा वन उपज की निकासी में भी सहायता प्राप्त होती है।	31–3–2025
	योग	160000	50000					

(6) आवासीय, अनावासीय भवनों का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (रूहजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
आवासीय, अनावासीय भवनों का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण		45500	20000	आवासीय भवनों की मरम्मत/सुदृढ़ीकरण–75 आवासीय अनावासीय भवनों की मरम्मत/सुदृढ़ीकरण–13	1–आवासीय/अनावासीय भवनों का मरम्मत/जीर्णोद्धार कार्य–162 2–विभिन्न राजकीय आवासीय भवनों की	1–आवासीय/अनावासीय भवनों हेतु मशीन उपकरण आदि का क्रय। 2–लगभग 500 आवासों का अनुरक्षण/मरम्मत कार्य किया	आवासीय/अनावासीय भवनों का सुदृढ़ीकरण एवं रखरखाव कार्य से वन कर्मियों द्वारा अपने दायित्वों के निर्वहन में	31–3–2025

				5, भवनों का जीर्णोद्धार–62	मरम्मत। 3–चकराता वन प्रभाग के अन्तर्गत कालसी वन परिसर में प्रभागीय वनाधिकारी, चकराता के उपयोग हेतु (टाईप–5) का निव निर्माण कार्य।	जाना है। 3–लगभग 250 चौकियों का अनुरक्षण हेतु	सहायता प्राप्त होती है।	
	योग	45500	20000					

(7)मानव वन्यजीव संघर्ष एवं गूजर पुनर्वासः–

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
मानव वन्यजीव संघर्ष एवं गूजर पुनर्वास	जंगली जानवरों द्वारा जान–माल की क्षतिपूर्ति हेतु अनुग्रह राषि, गूजरों के पुर्नवास हेतु कल्याणकारी कार्य, वन्यजीवों से खेती सुरक्षा तथा मानव–वन्यजीव संघर्ष रोकथाम आदि	209000	100000	वन्यजीवों द्वारा मानव क्षति, पशु क्षति, भवन क्षति एवंफसल क्षति के मामलों का निस्तारण किया गया, पुनर्वासित गूजर बस्तियों में अवस्थापना विकास सम्बन्धी कार्य एवं उनका रखरखाव तथा पुनर्वास सम्बन्धी अन्य विविध व्यय सिंचाई हेतु नलकूप–6 सं0, शौचालय/बाथरूम निर्माण–175 सं0, हैण्डपम्प की निर्माण–83 सं0, सोलर फेसिंग निर्माण– 29.5 किमी0, एलीफेंट प्रूफ ट्रेंच–35.40 किमी0, शिवराजपुर वीट के अन्तर्गत तुमडिया रेंविस एवं ग्राम शिवराजपुर की सीमा पर सुरक्षा हाथी रोधी खाईयों का नवीनीकरण–24.89 किमी0, हाथी सुरक्षा दीवाल/खाई का अनुरक्षण–13 किमी0, पकडे गये बन्दर–13614, आपरेशन किये गये बन्दर– 5901 एवं बन्दरों का बन्ध्याकरण, चिडियापुर बान्याकरण केन्द्र का रखरखाव, सुअर रोधी दीवार निर्माण–19.76, हाथी एवं नीलगाय से सुरक्षा हेतु खाई निर्माण –19.21 कि0मी0, ग्राम विनगढ़ में नागनाथ रिजर्व क0 01 मुनार न0 90 से	1–लगभग 103 स्थलों पर 115 सोलर लाईट की व्यवस्था। 2–लगभग 308 स्थलों पर झाड़ी कटान, लैन्टाना उन्मूलन एवं कूडा निस्तारण, सोलर फैन्सिग मरम्मत, दीवार मरम्मत एवं लैन्टाना सफाई आदि। 3–लगभग 56.2 किमी. में सोलर फैन्सिंग, हाथी सुरक्षा खाई खुदान, बायो फैन्सिंग एवं हैंगिंग सोलर फैन्सिंग आदि कार्य। 4–बन्दरों का बन्ध्याकरण–33165 सं0 5–रायपुर एवं मसूरी रेंज में हाथी/गुलदार आदि वन्यजीव बाहुल्य वन क्षेत्रों में लैन्टाना उन्मूलन–30 है0	1–लगभग 50 हजार बन्दरों का बन्ध्याकरण। 2–मानव वन्यजीव संघर्ष को रोकने हेतु स्थापित सोलर फेन्सिंग का अनुरक्षण 30 किमी0, खाई अनुरक्षण, वाच टावरों का अनुरक्षण, हाथी एवं अन्य वन्यजीव रोधी दीवार अनुरक्षण, बन्ध्याकरण केन्द्रों का अनुरक्षण, आबादी के निकट वन क्षेत्रों में लैण्टाना उन्मूलन 600 है0 3–गूजर पुनर्वास क्षेत्रों में 66 शौचालय/ बाथरूम हैण्ड 4–मानव वन्यजीव संघर्ष के न्यूनीकरण एवं जंगली जानवरों से कृषकों की खेती की सुरक्षा के लिये हाथी सुरक्षा खाई खुदान 11 किमी0, सोलर फेन्सिंग लगाना 20 किमी0, हाथी रोधी दीवार का निर्माण 1 किमी0 अन्य कार्य। अनुग्रह धनराशि का वितरण 5–कृषकों की खेती की जंगली जानवरों से सुरक्षा	मानव वन्यजीव संघर्ष प्रदेश की ज्वलन समस्या है, जिससे स्थानीय निवासियों के जान–माल का नुकसान होताहै, तथा इससे वन्यजीवों के संरक्षण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। यदा–कदाप्रति शोध स्वरूप वन्यजीवों को भी क्षति पहुॅचती है। अतः वन्यजीवों क संरक्षण व स्थानीय	पपरिणाम भविष्य में परिलक्षित होगे।

				95 तक दीवार निर्माण कार्य–1755 मी0, ग्राम देवस्थान में नागनाथ रिजर्व क0न0 01 के कावेरी गधेरे से बगरधार–सनतों तोक जयडुगरा दिवार निर्माण कार्य–1965 मी0, मसूरी वन प्रभाग देवलसारी राजि के ग्राम ठिक्क के अन्तर्गत वन्यजीवों से खेती सुरक्षा हेतु दीवार निर्माण कार्य– 1100 मी0, ग्राम चिलौण्ड के अन्तर्गत सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य– 1850 मी0, ग्राम रासी के अन्तर्गत आफल बेसार, कण्डारा एं तलसारी तोक तक सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य–2100 मी0।		हेतु 15 किमी. बायोफेन्सिंग एवं तारजाल व अन्य वन्यजीव रोधी दीवार की स्थापना। 6–राजाजी टाईगर रिजर्व की रामगढ रेंज (लगभग 3 किमी.) का कार्य वित्तीय वर्ष 2022–23 से गतिमान है, इस हेतु अवशेष मांग	जनता की सुरक्षा हेतु इन उपायों को किया जाना आवश्यक है।	
	योग	209000	100000					

(8) विभिन्न बोर्डों, परिषदों एवं फॉउण्डेशन को सहायता

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
विभिन्न बोर्डों, परिषदों एवं फॉउण्डेशन को सहायता		200000		1–टाईगर फाउण्डेशन को सहायता। 2–बांस एवं बायोफ्यूल प्रजातियों के रोपण। 3–बांस एवं रेशा विकास परिषद।	1–टाईगर फाउण्डेशन को सहायता। 2–बांस एवं बायोफ्यूल प्रजातियों के रोपण। 3–बांस एवं रेशा विकास परिषद।	1–टाईगर फाउण्डेशन को सहायता। 2–बांस एवं बायोफ्यूल प्रजातियों के रोपण। 3–बांस एवं रेशा विकास परिषद हेतु 4–उत्तराखण्ड की वन पंचायतों में गैर प्रकाष्ठ वन उपज का विकास तथा हर्बल एवं एरोमा टूरिज्म परियोजना। 5–अनुसंधान वृत्त के अन्तर्गत गठित सोसाइटी Center for Research, Development and Conservation of Himalayan Forestry Research (CRDCHFR)हेतु।	बांस से जुडी आजीविका में वृद्धि व बाघ संरक्षण के प्रयासों में सहायता।	31–3–2025
	योग	200000						

(9) उत्तराखण्ड वन निधि का गठन

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
उत्तराखण्ड वन निधि का गठन		25000		वन विश्राम भवन का सुदृढ़ीकरण	वन विश्राम भवन का सुदृढ़ीकरण	वन विश्राम भवन एवं वन मार्गों से प्राप्त राशि को राजस्व में जमा किया गया है जिसके समतुल्य धनराशि बजट से प्राप्त कर उनका सुदृढीकरण किया जाना है।	वन विश्राम भवन एवं वन मार्गों से प्राप्त राशि को राजस्व में जमा किया गया है जिसके समतुल्य धनराशि बजट से प्राप्त कर उनका सुदृढीकरण किया जाना है।	31–3–2025
	योग	25000						

(10) उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड को सहायता

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड को सहायता		15000	-	जैव विविधता बोर्ड सम्बन्धी कार्य	जैव विविधता बोर्ड सम्बन्धी कार्य	1–7991 पी0बी0आर0 निरूपण 3–हर्बल मिशन के अन्तर्गत वृक्षारोपण हेतु 4–बी0एस0सी0 गठन एवं प्रशिक्षण। 5–गंगोत्री एवं गोविन्द के लैण्ड स्केप के अध्ययन। 7–जैव विधिता बोर्ड में कार्यरत 7 अनुसंधान अधिकारियों का भुगतान।	जैव विविधता के संरक्षण के कार्य को आगे बढाना, जैव विविधता संरक्षण हेतु जैव विविधता प्रबन्धन समितियों को सुदृढ करना तथा जैव विविधता के व्यावसायिक उपयोग से स्थानीय जनता के हितों की रक्षा।	31–3–2025
	योग	15000	-					

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
पर्यावरण निदेशालय		11412						
राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण		2000						
सुदरलाल बहुगुणा प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण पुरूस्कार योजना		800						
आद्रभूमि प्राधिकरण		1000						
	योग	**15212**						

(11) ईको टास्क फोर्स द्वारा वनीकरण कार्य

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
ईको टास्क फोर्स द्वारा वनीकरण कार्य			207000	ईको टास्क फोर्स द्वारा वनीकरण कार्य	ईको टास्क फोर्स द्वारा वनीकरण कार्य	ईको टास्क फोर्स द्वारा 1600 है0 में वृक्षारोपण।	ईको टास्क फोर्स की दो कम्पनियों की अवशेष देनदारी	31–3–2025
	योग		207000					

(12) उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबन्धन परियोजना (बाह्य सहायतित योजना) :–

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
ई0ए0पी0 योजनाये								
उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबन्धन परियोजना (जायका पोषित)	वनो के आसपास क्षेत्रों के गाांव वालो की आजीविका में सुधार एवं आय में वृद्धि कर वनों पर निर्भरता कम करना	500000		ईको–रेस्टोरेशन–2611 है0, चाल–खाल–1505 तलाब(कच्चे)/ जलकुण्ड–230, कन्टूर फरो–187485 र0मी0, एस0एच0जी0 को वित्तीय/मार्केट/ एन0जी0ओ0 हैण्डहोल्ड सहायता–1500 (1 नया एवं 1499 पूर्व में गठित) कृषकों को वालनट पौध वितरण–4812 है0	1–वृक्षारोपण/ईको रेस्टोरेशन–820 है0 2–ई0आर0एम0क्षेत्रों में जल संरक्षण कार्य–16स0 3–चयनित सूक्ष्म जलागम क्षेत्रों में जल संरक्षण कार्य (पौड/जलकुण्ड–10,चाल–खाल–116, चैकडैम–175,परकोलेशन टैंक–15 गली प्लग आदि–111) 4–स्वयं सहायता समूहों (एस0एच0जी0) को वित्तीय/मार्केट/ एन0जी0ओ0 हैण्डहोल्ड सहायता–1503 (पूर्व में गठित)– सहायता जारी	वृक्षारोपण क्षेत्रों का सर्वे एवं डिमार्केशन, अवांछित वीड उन्मूलन, सिल्वीकल्चर एक्टीविटी, अग्रिम मृदा कार्य, नर्सरी कार्य, आधुनिक नर्सरी का तैयार करना, चाल–खाल, तालाबों का सुदृढ़ीकरण, जैव विविधता के संरक्षण हेतु ग्राम का चयन, एवं उनका क्षमता विकास, भू–क्षरण रोकथाम कार्य	पंचायती वनों का ईको रेस्टोरेशन, स्थानीय जनता की इन वनों पर निर्भरता को कम कर इनका संरक्षण तथा पंचायतों को आजीविका के अवसर प्रदान कर वनावरण में वृद्धि करना।	परिणाम आगामी वर्षो में परिलक्षित होंगे
	योग	500000						

(13) कैम्पा के अन्तर्गत :–

योजना	योजना का उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2024–25	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
क्षतिपूरक वनीकरण योजना	क्षतिपूरक वृक्षारोपण कार्य किया जायेगा	600001		क्षतिपूरक वनीकरण (है0)–2852.05, वन रक्षक चौकी निर्माण (संख्या)–47, अश्व मार्गो का रख–रखाव –किमी–3349.51, प्राकृतिक आवास सुधार (है0)–13990. 74,ओक / देवदार वृक्षारोपण (हे0)–70, जल निकार्यो का सृजन (सं0)–3699.9,मृदा एवं जल संरक्षण (सं0)–14041.1, कन्टूर ट्रेन्च का निर्माण–(है0)–7629.59, रेस्क्यू / रिहैबिलिटेशन सेंटर–4	1–क्षतिपूरक वनीकरण (है0)–1007.63 2–वन रक्षक चौकी निर्माण (संख्या)–3 3–अश्व मार्गो का रख–रखाव –349.27 किमी0 4–ओक / देवदार वृक्षारोपण (है0)–558 5–मृदा एवं जल संरक्षण व0पं0 (सं0)–132	संचालन समिति के अनुमोदन के पश्चात राष्ट्रीय कैम्पा से स्वीकृत ए0पी0ओ0 के अनुसार कार्य किया जाना प्रस्तावित।	विभिन्न विकास कार्यों / गैर वानिकी कार्यों हेतु वन भूमि हस्तान्तरण के फलस्वरूप होने वाले वनों के ह्रास की प्रतिपूर्ति करना तथा वनों एवं वन्यजीवों के संरक्षण व प्रबन्धन कार्यों को सुदृढ करना।	31–3–2025
जल ग्रहण क्षेत्र शोधन योजना कैम्पा कैट प्लान		350001						
समेकित वन्यजीव प्रबन्धन योजना		100001						
वन भूमि का निवल वर्तमान मूल्य		2000000						
कैम्पा योजना से अर्जित ब्याज		200000						
अन्य कार्य		180000						
	योग	**3430003**						
	कुल योग	13164301	1286300					
	महा योग	**14450601**						